

हरियाणा सरकार

सन्वन्ध—I

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

सधिसूचना

दिनांक 18 मार्च, 1998

संख्या: स.स.क. नि. 132/संवि०/अनु. 309/98—भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (घुप-व) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्तियों तथा सेवा की शर्तों को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

भाग—I—मान्यता

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

1. (1) ये नियम हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (घुप-व) सेवा नियम, 1998, कहें जा सकते हैं।

(2) ये नियम राज्यपाल में उनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

परिभाषा :

2. इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "आयोग" से अभिप्राय है, हरियाणा लोक सेवा आयोग;

(ख) "सौधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी ऐसी नियुक्ति जो सेवा में पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो;

(ग) "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा सरकार;

(घ) "संस्था" से अभिप्राय है,—

(i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था; या

(ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य संस्था;

(ङ) "मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय" से अभिप्राय है,—

(i) भारत में विधि द्वारा निर्गमित कोई विश्वविद्यालय; अथवा;

(ii) 15 अगस्त, 1947 से पूर्व हुई परीक्षा के परिणामस्वरूप प्राप्त उपाधि, उपाधि-पत्र या प्रमाण पत्र की दशा में पंजाब, सन्धि या डोका विश्वविद्यालय; या

(iii) कोई अन्य विश्वविद्यालय जो इन नियमों के प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त घोषित किया गया हो।

(च) "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (ग्रुप-ख) सेवा।

भाग II-सेवा में भर्ती

पदों की संख्या तथा उनका स्वरूप :

3. सेवा में इन नियमों के परिशिष्टक में बताये गये पद होंगे :

परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नए पद स्थाई अथवा अस्थायी रूप से बनाने के सरकार के अन्तर्निहित अधिकार पर कोई प्रभाव नहीं डालेगी।

सेवा में भर्ती किये गये उम्मीदवारों की रूपायुक्तता, अधिवास तथा चरित्र :

4. (1) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक कि वह निम्नलिखित न हो —

(क) भारत का नागरिक ; या

(ख) नेपाल की प्रजा ; या

(ग) भूटान की प्रजा ; या

(घ) निम्नतः का शरणार्थी, जो पहली जनवरी, 1962, से पहले भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो, या

(ङ) भारतीय मूल का व्यक्ति, जो पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, युगांडा तथा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य, (भूतपूर्व दंगानीका और जंजीबार), जांबिया, मलावी, जायरे और इथोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीकी देश से प्रवासित होकर भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) अथवा (ङ) से संबंधित व्यक्ति ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो।

(2) कोई भी व्यक्ति जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण पत्र आवश्यक हो, उसे आयोग द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिये प्रविष्ट किया जा सकता है, किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के बाद ही दिया जा सकता है।

(3) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक कि वह अपने अंतिम उपस्थिति के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था के, यदि कोई हो,

प्रधान शैक्षणिक अधिकारी से चरित्र प्रमाण पत्र, और दो ऐसे अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से, जो उसके सम्बन्धी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में उससे भली भांति परिचित हों, और जो उस विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था से संबंधित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न करें।

आयु :

5. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी भी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा —

- (क) वैज्ञानिक अभियन्ता 'ख' के पद की दशा में, आयोग को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को अथवा उससे पहले पच्चीस वर्ष से कम या पैंतीस वर्ष से अधिक आयु का हो ;
- (ख) वैज्ञानिक अभियन्ता (ग) के पद की दशा में, आयोग को, आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को अथवा उससे पहले इक्कीस वर्ष से कम या पैंतीस वर्ष से अधिक आयु का हो ।

नियुक्ति प्राधिकारी :

6. सेवा में सभी पदों पर नियुक्तियां सरकार द्वारा की जायेंगी।

योग्यतायें :

7. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह सीधी भर्ती की दशा में, इन नियमों के परिशिष्ट ख के खाना 3 में तथा सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति की दशा में पूर्वोक्त परिशिष्ट के खाना 4 में उल्लिखित योग्यतायें तथा अनुभव न रखता हो :

परन्तु सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की दशा में अनुभव संबंधी योग्यताओं में आयोग या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण के विवेक पर 50 प्रतिशत सीमा तक ढील दी जा सकेगी, यदि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांग प्रवर्गों में अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिये अपेक्षित रिक्तियों को भरने के लिये उपलब्ध न हों, ऐसा करने के लिये लिखित रूप में कारण किये जायेंगे ।

अयोग्यताएं :

8. कोई भी व्यक्ति,—

- (क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाले व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर कर ली है ; या
- (ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है ।

सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पत्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार की इस सम्बन्ध में सन्तुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट दे सकती है ।

भर्तों की दंग ।

9. (1) सेवा में भर्तों निम्नलिखित दंग से की जायेगी, —

(क) वैज्ञानिक अभियन्ता (ख) की दशा में,—

(i) वैज्ञानिक अभियन्ता (ग) में से पदोन्नति द्वारा ; या

(ii) सीधी भर्तों द्वारा ; या

(iii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(ख) वैज्ञानिक अभियन्ता (ग) की दशा में,—

(i) तकनीकी सहायक के पद से पदोन्नति द्वारा ; या

(ii) सीधी भर्तों द्वारा ; या

(iii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से ही लगे किसी अधिकारी के स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा ।

(2) जब तक अन्यथा उपबन्धित न हो, सभी पदोन्नतियां, ज्येष्ठता एवं योग्यता के आधार पर की जायेगी और कोई भी व्यक्ति केवल ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति का हकदार नहीं होगा ।

परिबीक्षा ।

10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्तों द्वारा नियुक्त किया गया हो तो दो वर्ष की अवधि के लिये और यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो एक वर्ष की अवधि के लिये, परिबीक्षा पर रहेगा :

परन्तु—

(क) ऐसी नियुक्ति के बाद, किसी अनुसूच्य या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई कोई अवधि-परिबीक्षा की अवधि में गिनी जायेगी ;

(ख) स्थानान्तरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में, सेवा में, किसी भी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किये गये कार्य की कोई अवधि, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन नियत परिबीक्षा अवधि में गिनी जा सकती है ; और

(ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि परिबीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जायेगी किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसमें ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है, परिबीक्षा की विहित अवधि के पूरा होने पर, यदि वह किसी स्थाई पद पर नियुक्त न किया गया हो पृष्ट किये जाने का हकदार नहीं होगा ।

(2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में, परिवीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो, तो वह :—

(क) यदि ऐसा, व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो, तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है ; और

(ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो,—

(i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है ; या

(ii) उसके सम्बन्ध में किसी ऐसे अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है जो उसकी पूर्ण नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करें ।

(3) किसी व्यक्ति की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी—

(क) यदि उसकी राय में, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक रहा हो तो,—

(i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थाई रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, उसकी नियुक्ति की तिथि से पृष्ट कर सकता है ; या

(ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थाई रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो, तो स्थाई रिक्ति होने की तिथि से पृष्ट कर सकता है ; या

(iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसने अपनी परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है ; या

(ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो तो,—

(i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा, नियुक्त किया गया हो तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके सम्बन्ध में ऐसा अन्य रीति में कार्रवाई कर सकता है, जो उसकी पूर्ण नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्तें अनुज्ञात करें ; या

(ii) उसकी परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति कर सकता था :

परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि जिसमें बढ़ाई गई अवधि भी, यदि कोई है, शामिल है, तीन वर्षों से अधिक नहीं होगी ।

ज्येष्ठता।

11. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जायेगी।

परन्तु जहाँ सेवा में विभिन्न संवर्ग हों, वहाँ ज्येष्ठता प्रत्येक संवर्ग के लिये अलग-अलग निश्चित की जायेगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता नियत करते समय आयोग द्वारा निश्चित योग्यताक्रम बदला नहीं जायेगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जायेगी :-

- (क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्य पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;
- (ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;
- (ग) पदोन्नति अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में उनकी ज्येष्ठता ऐसी न्युक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जायेगी जिनसे वे पदोन्नत या स्थानान्तरित किये गये थे ; और
- (घ) विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में, उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जायेगी, अधिमान्त ऐसे सदस्यों को दिया जायेगा जो अपनी पहले की नियुक्ति में उच्चतर दर पर वेतन ले रहा था और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान होती उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार, और यदि सेवा काल भी समान होता आयु में बड़ा सदस्य छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा।

सेवा करने का दायित्व :

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, हरियाणा राज्य में, अथवा उसके बाहर, किसी भी स्थान पर, सेवा करने के लिये, आदेश दिये जाने पर, ऐसा करने के लिये दायी ; होगा।

(2) सेवा के किसी सदस्य की सेवा के लिये नीचे लिखे के अर्थों में प्रतिनियुक्ति किया जा सकता है :-

- (i) कोई कम्पनी, संगम या व्यक्ति निकाय, को वह नियमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधि-कांश स्वामित्व या नियन्त्रण राज्य सरकार के पास है, हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण या विधानसभा ; या

- (ii) केंद्रीय सरकार या ऐसी कंपनी, संगठन या व्यक्ति निकाय, चाहे वह निर्गमित हो या नहीं, जिनका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियन्त्रण केंद्रीय सरकार के पास हो, अथवा
- (iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय जिनका निरन्तरण सरकार के पास न हो अथवा गैर सरकारी निकाय :

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) अथवा (iii) में निर्दिष्ट केंद्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय में सेवा करने के लिये प्रतिनियुक्ति नहीं किया जायेगा।

वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले :

13. वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के संबंध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप में उपलब्ध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा नियंत्रित होंगे, जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन अथवा राज्य विधान मण्डल द्वारा बनाई गई अथवा उस समय लागू किसी विधि के अधीन अथवा लागू या बनाये गये हों अथवा इसके बाद अथवा बनाये जायें।

अनुशासन, जास्तियां तथा अपीलें :

14. (1) अनुशासन, जास्तियों तथा अपीलों से सम्बन्धित मामलों में सेवा के सदस्य समय समय पर तथा संशोधित हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987, द्वारा नियंत्रित होंगे :

परन्तु ऐसी जास्तियों का स्वरूप, जो बनाई जा सकती हैं, ऐसी जास्तियां लगाने के लिये सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई किसी विधि अथवा नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए वै होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट ग में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987, के नियम 9 के उप-नियम (1) के खण्ड (ग) या खण्ड (घ) के अधीन आदेश करने के लिये सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वह होगा जो इन नियमों के परिशिष्ट घ में निर्दिष्ट हैं।

टीका लगवाना :

15. सेवा का प्रत्येक सदस्य जब सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निर्देश करे, टीका लगवायेगा या पुनः टीका लगवायेगा।

राजनिष्ठा की शपथ :

16. सेवा के प्रत्येक सदस्य, से जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा मथास्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ नहीं की हो ऐसा करने की अपेक्षा की जायेगी।

ढील देने की शक्ति :

17. जहाँ सरकार की राय में, इन नियमों के किसी उपबन्ध में ढील देना आवश्यक या उचित हो, वहाँ यह कारण लिखकर, आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है।

विशेष उपबन्ध।

18. इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष नियन्धन तथा शर्तें लगाना उचित समझे, तो वह ऐसा कर सकता है।

छारक्षण :

19. इन नियमों में दी गई कोई भी बात राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये-आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के अन्य वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने के लिये अपेक्षित छारक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी :

परन्तु इस प्रकार किये गये छारक्षण की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास से अधिक नहीं होगी।

निरस्तन तथा व्यावृति :

20. इन नियमों के आरम्भ होने से तुरन्त पहले सेवा पर लागू कोई नियम तथा इन में से किसी नियम के अनुरूप कोई नियम, इसके द्वारा, निरस्त किये जाते हैं :

परन्तु इस प्रकार से निरस्त नियम के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई इन नियमों के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया आदेश अथवा की गई कार्रवाई समझी जायेगी।

परिशिष्ट क

(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या			वेतनमान	
		स्वाई	अन्वयाई	जोड़		
1		2	3	4	5	6
1	वैज्ञानिक अभियन्ता (ख)	—	3	3	2200-75-2800-२०	२००-100-4000 रुपये
2	वैज्ञानिक अभियन्ता (ग)	—	1	1	2000-60-2300-75-2900-२०	२००- 100-3500 रुपये

परिशिष्ट "ख"

(देखिए नियम 7)

क्रम संख्या	पदनाम	सीधी भर्ती के लिये शैक्षिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अल्पया-नियुक्ति के लिये शैक्षिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो
1	2	3	4
			पदोन्नति द्वारा :—
1	वैज्ञानिक अभियन्ता (ख)	(i) कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ विद्युत, मकैनिकल, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, दूरसंचार, इलेक्ट्रो-निक्स इंजीनियरिंग, बायो टेक्नोलोजी में डिप्लोमा या समकक्ष उपाधि या कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ शुद्ध विज्ञान या व्यवहारिक विज्ञान (जिसमें मानविकी और समाज विज्ञान शामिल नहीं है) में एम० एस्० सी० या समकक्ष उपाधि।	वैज्ञानिक अभियन्ता (ग) के रूप में पांच वर्ष का अनुभव ; स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा :— (i) कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ विद्युत, मकैनिकल, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, दूरसंचार इलेक्ट्रो-निक्स इंजीनियरिंग, बायो टेक्नोलोजी में डिप्लोमा या समकक्ष उपाधि या कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ शुद्ध विज्ञान या व्यवहारिक विज्ञान (जिसमें मानविकी और समाज विज्ञान शामिल नहीं है) में एम० एस्० सी० या समकक्ष उपाधि।
		(ii) मैट्रिक स्तर तक हिन्दी। वांछनीय अनुभव राज्य या केन्द्रीय स्तर पर विभिन्न उपभोक्ता अभिकरणों के बीच ऐसी	(ii) मैट्रिक स्तर तक हिन्दी। वांछनीय अनुभव। राज्य या केन्द्रीय स्तर पर विभिन्न उपभोक्ता अभिकरणों के बीच ऐसी

1	2	3	4
		परियोजनाओं के समन्वय तथा कार्यान्वयन सहित विज्ञान एवं प्रायोगिकी क्षेत्र से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता बनाने, कार्यान्वित करने तथा जांच करने में अनुभव ;	परियोजनाओं के समन्वय तथा कार्यान्वयन सहित विज्ञान एवं प्रायोगिकी क्षेत्र से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता बनाने, कार्यान्वित करने तथा जांच करने में अनुभव ।
2	वैज्ञानिक अभियन्ता (ग)	(i) भौतिक विज्ञान में बी० एम० सी० या बिजली, मकैनिकल, रसायन या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी में डिप्लोमा या समकक्ष डिग्री ;	पदोन्नति द्वारा :— तकनीकी सहायक के रूप में पांच वर्ष का अनुभव ।
		(ii) मैट्रिक स्तर तक हिन्दी ।	स्वानुत्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा :— (i) भौतिकी विज्ञान में बी० एम० सी० या बिजली, मकैनिकल, रसायन या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी में डिप्लोमा या समकक्ष डिग्री ; (ii) मैट्रिक स्तर तक हिन्दी ।
		वांछनीय अनुभव ; विज्ञान एवं प्रायोगिकी क्षेत्र में तीन वर्ष का अनुभव विशेष रूप से परियोजनाओं या स्कीमों को बनाने, आयोजित करने और कार्यान्वित करने में वरिष्ठ अधिकारियों की सहायता करने का अनुभव ।	वांछनीय अनुभव विज्ञान एवं प्रायोगिकी क्षेत्र में तीन वर्ष का अनुभव विशेष रूप से परियोजनाओं या स्कीमों को बनाने, आयोजित करने और कार्यान्वित करने में वरिष्ठ अधिकारियों की सहायता करने का अनुभव ।

परिशिष्ट ग

[नियम 14 (1) देखिए]

क्रम संख्या	पदनाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्त्रियों का स्वरूप	शास्त्र लगाने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील अधिकारी	द्वितीय तथा अंतिम अपील प्राधिकारी, यदि कोई हो,
1	2	3	4	5	6	7
1	वैज्ञानिक अभियन्ता (ख)	सरकार	(1) छोटी शास्त्रियां (i) वैयक्तिक फाइल (आवरण पंजी) पर प्रति रखते हुए चेतावनी ; (ii) परिनिन्दा ; (iii) पदोन्नति रोकना ; (iv) आदेशों की उपाधा या उल्लंघन द्वारा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार को या ऐसी कम्पनी तथा संगम तथा व्यक्ति निकाय वही वह निर्गमित हो या नहीं जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियन्त्रण सरकार के पास है या संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी	सरकार	—	—
2	वैज्ञानिक अभियन्ता (ग)					

1	2	3	4	5	6	7
			<p>अधिनियम द्वारा स्थापित किसी स्थानीय प्राधिकरण या विश्वविद्यालय को हुई धन सम्बन्धी हानि की पूरी या उसके भाग की वेतन से वसूली ;</p>			
			<p>(v) संचयी प्रभाव के बिना वेतन वृद्धियां रोकना ;</p>			
			<p>(2) <u>बड़ी शास्तियां</u></p>			
			<p>(vi) संचयी प्रभाव से वेतन वृद्धियां रोकना ;</p>			
			<p>(vii) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिये समयमान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति ऐसे अतिरिक्त निर्देशों सहित कि नया सरकारी कर्म- चारी अवनति की अवधि के दौरान वेतन वृद्धियां अर्जित करेगा या नहीं और क्या ऐसी अवधि की समाप्ति पर ऐसी अवनति जसकी भावी वेतन वृद्धियां स्थगित करने का प्रभाव रखेगी या नहीं ;</p>			

1

2

3

4

5

6

7

(viii) निम्नतर वेतन—

मान, ग्रेड, पद
या सेवा पर ऐसी
अवधि जो सरकारी
कर्मचारी के उस
समय वेतनमान,
ग्रेड, पद या सेवा
पर जिससे वह
अवधि किया गया
या पदोन्नति के
लिये साधारणतया
रोक होगी, ऐसा
जिस ग्रेड अथवा
पद अथवा सेवा से
सरकारी कर्मचारी
अवधि किया गया
या उस पर बहाली
संबंधी और उसकी
ज्येष्ठता तथा उस
ग्रेड, पद या सेवा
पर वेतन के बारे
में शर्तों संबंधी
अतिरिक्त निदेशों के
साथ या उनके बिना
होगा ;

(ix) अनिवार्य सेवा
निवृत्ति ;(x) सेवा से हटाया
जाना, जो सरकार
के अधीन भावी
नियोजन के लिये
निरहंत। नहीं होगी ;(xi) सेवा से पदच्युति
जो सरकार के अधीन
भावी नियोजन
के लिये सामान्यतः
निरहंत। होगी ।

परिशिष्ट 3

[विधि नियम 14 (2)]

क्रम संख्या	पदनाम	आदेश का स्वरूप	आदेश करने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	द्वितीय तथा अंतिम अपील प्राधिकारी, यदि कोई हो
1	2	3	4	5	6
1	वैज्ञानिक अभियन्ता (ख)	(i) पेशन को नियंत्रित करने वाले नियमों के अधीन उसे अनुज्ञेय सामान्य/अतिरिक्त पेशन की राशि में काम करना या रोकना ;	सरकार	—	—
2	वैज्ञानिक अभियन्ता (ग)	(ii) सेवा के किसी सदस्य को उसकी अधिवर्षिता के भिन्ने नियत आयु के होने से अन्याया नियुक्ति की समाप्ति ।			

एन० के० जैन,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ।

[Authorised English Translation]

HARYANA GOVERNMENT

SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT

Notification

The 18th March, 1998

No. G.S.R. 132/Const/Art/309/98.— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating recruitment and conditions of service of persons appointed to the Haryana Science and Technology (Group B) Service, namely:—

PART I—GENERAL

Short title and commencement :

1. (1) These rules may be called the Haryana Science and Technology (Group B) Service Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

Definitions :

2. In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Commission" means the Haryana Public Service Commission ;

(b) "direct recruitment" means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer of an official already in the Service of the Government of India or any State Government ;

(c) "Government" means the Haryana Government in the Administrative Department ;

(d) "institution" means,—

(i) any institution established by law in force in the State of Haryana ; or

(ii) any other institution recognised by the Government for the purpose of these rules ;

(e) "recognised University" means,—

(i) any university incorporated by law in India ; or

(ii) in the case of a degree, diploma or certificate obtained as a result of an examination held before the 15th August, 1947, the Punjab, Sind or Dacca University ; or

(iii) any other university which is declared by the Government to be a recognised University for the purpose of these rules ;

(f) "Service" means Haryana Science and Technology (Group B) Service.

PART II—RECRUITMENT TO SERVICE

Number and Character of posts :

3. The Service shall comprise the posts shown in Appendix A to these rules :

Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to, or reductions in, the number of such posts or to create new posts with different designation and scales of pay, either permanently or temporarily.

Nationality, domicile and character of candidates appointed to Service :

4. (1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is,—

(a) a citizen of India ; or

(b) a subject of Nepal ; or

(c) a subject of Bhutan ; or

(d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st day of January, 1962, with the intention of permanently settling in India ; or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, or any of the East African Countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethopia with the intention of permanently settling in India :

Provided that a person belonging to any of the categories (b), (c), (d) or (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.

(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Commission but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.

(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of character from the Principal Academic Officer of the University, College, School or institution last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons, not being his relatives, who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, College, School or institution.

Age :

5. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment,—

(a) who is less than 25 years or more than thirty-five years of age on or before the last date of submission of application to the Commission, for the post of Scientific Engineer (B);

- (b) who is less than 21 years or more than 35 years of age on or before the last date of submission of application to the Commission for the post of Scientific Engineer (C).

Appointing Authority :

6. Appointment to the posts in the Service shall be made by the Government.

Qualifications :

7. No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is in possession of qualifications and experience specified in column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of persons appointed other than by direct recruitment :

Provided that in the case of direct recruitment, the qualifications regarding experience shall be relaxable to the extent of 50% at the discretion of Commission in case sufficient number of candidates belonging to Scheduled Castes, backward classes, other backward classes, ex-servicemen and Physically handicapped categories possessing the requisite experience, are not available to fill up the vacancies reserved for them after recording reasons for so doing in writing.

Disqualification:

8. No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ;

or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to any post in Service :

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

Mode of recruitment :

9. (1) Recruitment to the Service shall be made,—

(a) in case of Scientific Engineer (B).—

(i) by promotion amongst scientific Engineer (C) ; or

(ii) by direct recruitment ; or

(iii) by transfer or deputation of any Officer already in the service of any State Government or the Government of India ;

(b) in case of Scientific Engineer (C).—

(i) by promotion amongst Technical Assistant ; or

(ii) by direct recruitment ; or

(iii) by transfer or deputation of any official already in service of any State Government or the Government of India.

(2) All promotions unless otherwise provided, shall be made on seniority-cum-merit basis and seniority alone shall not confer any right to such promotions.

Probation :

10. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation for a period of two years, if appointed by direct recruitment and one year, if appointed otherwise :

Provided that,—

(a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation ;

(b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service, may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule ; and

(c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation, be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.

(2) If, in the opinion of the appointing authority, the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may,—

(a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his services ; and

(b) if such person is appointed otherwise than by direct recruitment,—

(i) revert him to his former post ; or

(ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of the previous appointment permit.

(3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may,—

(a) if his work or conduct has, in its opinion been satisfactory,—

(i) confirm such person from the date of his appointment, if appointed against a permanent vacancy ; or

(ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs, if appointed against a temporary vacancy ; or

(iii) declare that he has completed his probation satisfactorily, if there is no permanent vacancy ; or

- (b) if his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory,—
- (i) dispense with his Service, if appointed by direct recruitment, otherwise, revert him to his former post or deal with him in such other manner as the terms and conditions of his previous appointment permit; or
 - (ii) extend his period of probation and thereafter pass such order, as it could have passed on the expiry of the first period of probation;

Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.

Seniority :

11. Seniority, *in terse* of the members of the Service shall be determined by the length of continuous Service on any post in the Service :

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre :

Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the Commission shall not be disturbed in fixing the seniority:

Provided further that in case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows :—

- (a) a member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer ;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer ;
- (c) in the case of a member appointed by promotion or by transfer, seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred ; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing a higher rate of pay in his previous appointment ; and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their Service in the appointments and if the length of such Service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

Liability to serve :

12. (1) A member of the Service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.

(2) A member of Service may also be deputed to serve under,—

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a municipal corporation or a local authority or university within the State of Haryana ; or

(ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government ; or

(iii) any other State Government, an international organisation, an autonomous body not controlled by the Government or a private body :

Provided that no member of the Service shall be deputed to serve the Central or any other State Government or any organisation or body referred to in clauses (ii) or (iii) except with his consent.

Pay, Leave, Pension and other matters :

13. In respect of Pay, pension and all other matters, not expressly provided for in these rules, the member of the Service shall be governed by such rules and regulations as may have been, or may hereafter be, adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature.

Discipline, penalties and appeals :

14. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals, members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987, as amended from time to time :

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India be such as are specified in Appendix C to these rules.

(2) The authority competent to pass an order clause (c) or clause (d) of sub-rule (8) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987, and appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

Vaccination :

15. Every member of the Service, shall get himself vaccinated and re-vaccinated as and when the Government so directs by a special or general order.

Oath of allegiance :

16. Every member of the Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India as by law established.

Power of relaxation :

17. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rule with respect to any class or category of persons.

Special provisions :

18. Notwithstanding anything contained in these rules, and appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.

Reservations :

19. Nothing contained in these rules, shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Backward Classes, Other Backward Classes, Ex-Servicemen, Physically Handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government in this regard, from time to time :

Provided that the total percentage of reservations, so made, shall not exceed fifty percent, at any time.

Repeal and savings :

Any rule applicable to the Service and corresponding to any of these rules which is in force immediately before the commencement of these rules is hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under the rule so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

APPENDIX A

(See rule 3)

Sr. No.	Designation of posts	Number of Posts			Total	Scale of Pay
		Perma- nent	Tempo- rary			
1	2	3	4	5	6	
					Rs.	
1	Scientific Engineer(B)	—	3	3	2200—75—2800—EB—100— 4000	
2	Scientific Engineer(C)	—	1	1	2000—60—2300—75—290 0— EB—100—3500	

APPENDIX B

(See rule 7)

Sr. No.	Designation of Posts	Academic qualifications and experience, if any, for direct recruitment	Academic qualifications and experience, if any, for appointment other than by direct recruitment
1	2	3	4
1	Scientific Engineer(B)	(i) Degree in Electrical, Mechanical, Computer Engineering, Telecommunication, Electronics Engineering, Bio-technology or equivalent degree with minimum 60% marks ; OR M.Sc. in Pure Science or Applied Sciences (Excluding Humanities and Social Sciences) or equivalent degree with minimum 60% marks ;	By Promotion— Five years experience as Scientific Engineer (C) By Transfer or Deputation— (i) Degree in Electrical, Mechanical Computer Engineering, Telecommunication, Electronics Engineering, Bio-technology or equivalent degree with minimum 60% marks ; OR M.Sc. in Pure Science or Applied Sciences (Excluding Humanities and Social Sciences) or equivalent degree with minimum 60% marks ;
		(ii) Hindi upto matric standard. Experience Desirable— Experience in formulating and implementing and examining the techno-economic viabilities of various projects related to Science and Technology sector including coordination and implementation of such projects between different user agencies at State or Central level.	(ii) Hindi upto Matric standard. Experience Desirable— Experience in formulating and implementing and examining the techno-economic viabilities of various projects related to Science and Technology sector including coordination and implementation of such projects between different user agencies at State or Central level.
2	Scientific Engineer(C)	(i) B.Sc. in Physical Sciences or Diploma in Electrical Mechanical, Chemical, Electronics Engineering or equivalent degree.	By Promotion— Five years experience as Technical Assistant

1	2	3	4
		(ii) Hindi upto Matric standard.	By Transfer or Deputation
		Experience Desirable	(i) B.Sc. in Physical Sciences or Diploma in Electrical, Mechanical, Chemical or Electronics Engineering or equivalent degree.
		Three years experience in Science and Technology sector particularly in assisting Senior Officers in the formulation, planning and implementation of projects or schemes.	(ii) Hindi upto Matric standard.
			Experience Desirable
			Three years experience in Science and Technology sector particularly in assisting Senior Officers in the formulation planning and implementation of projects or schemes.

APPENDIX C

[See rule 14 (1)]

Sr. No.	Designation of Posts	Appointing authority	Nature of Penalty	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority	Second and final appellate authority, if any
1	2	3	4	5	6	7
1	Scientific Engineer(B)	Government	Minor Penalties	Government	—	—
2	Scientific Engineer(C)		(i) Warning with a copy on the personal file (Character roll) (ii) censure ; (iii) withholding of promotion ; (iv) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by negligence or a breach of order, to the Central Government or a State Government or to a company and association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Government or to a local authority or university set up by an Act of Parliament or of the Legislature of a State ; (v) withholding of increments of pay without cumulative effect ;		—	—

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

Major Penalties

- (vi) withholding of increment of pay with cumulative effect ;
 - (vii) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period with further directions as to whether or not the Government employee will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have effect of postponing the future increments of his pay ;
 - (viii) reduction to a lower scale of pay, grade post or service which shall ordinarily be a bar to the promotion of the Government employee to the time scale of pay, grade, post or service from which he was reduced with or without further directions regarding conditions of restoration to the grade or post or service from which the Government employee was reduced and his seniority and pay on such restoration to that grade, post or service ;
-

1

2

3

4

5

6

7

(ix) compulsory retirement ;

(x) removal from service which shall not be disqualification for future employment under the Government ;

(xi) dismissal from service which shall ordinarily be a disqualification for future employment under the Government.

APPENDIX D

[See rule 14 (2)]

Sr. No.	Designation of post	Nature of order	Authority empowered to make order	Appellate authority	Second and final authority if any
1	2	3	4	5	6
1	Scientific Engineer (B)	(i) reducing or withholding the amount of ordinary or additional [pension admissible under the rules governing pension ;	Government	—	—
2	Scientific Engineer (C)	(ii) terminating the appointment otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.			

N. K. JAIN,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Science and Technology Department, Chandigarh.